सेमेस्टर प्रणाली पर आधारित
पाठ्यक्रम, 2019 तथा पश्चात्

बी० ए० (हिन्दी साहित्य)
बी० ए० (प्रयोजनमूलक हिन्दी)
बी० ए० ऑनर्स
बी० ए० (ऑनर्स) पूरक पाठ्यक्रम

प्रस्तुति

प्रो० प्रेम सुमन शर्मा

विभागाध्यक्ष

प्रो० पवन अग्रवाल

हिन्दी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ (उ० प्र०)

सेमेस्टर प्रणाली पर आधारित

पाठ्यक्रम, 2019 तथा पश्चात्

बी० ए० (हिन्दी साहित्य)
बी० ए० (प्रयोजनमूलक हिन्दी)
बी० ए० ऑनर्स
बी० ए० (ऑनर्स) पूरक पाठ्यक्रम

प्रस्तुति

प्रो० प्रेम सुमन शर्मा
विभागाध्यक्ष
प्रो० पवन अग्रवाल

हिन्दी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग
लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ (उ० प्र०)

बी० ए० हिन्दी साहित्य

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र : भक्तिकालीन काव्य

(पूर्णांक : 80 + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

निर्धारित कवि : कबीरदास, मलिक मुहम्मद जायसी, सूरदास, तुलसीदास, मीरा।

पाठ्य पुस्तक : मध्ययुगीन काव्यमंजरी- संपादक : 1. प्रो० प्रेमशंकर तिवारी
2. प्रो० परशुराम पाल

प्रथम प्रश्न- अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 x 2= 20 अंक

इकाई-1. कबीरदास, मलिक मुहम्मद जायसी और सूरदास के निर्धारित काव्यांशों से सम्बन्धित व्याख्याएँ। 8+7=15

इकाई-2. तुलसीदास और मीरा के निर्धारित काव्यांशों से सम्बन्धित व्याख्याएँ। 8+7=15

इकाई-3. कबीरदास, मलिक मुहम्मद जायसी और सूरदास पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। 8+7=15

इकाई-4. तुलसीदास और मीरा पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। 8+7=15

द्वितीय प्रश्नपत्र : रीतिकालीन काव्य

(पूर्णांक : 80 + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

निर्धारित पाठ्यक्रम : बिहारी, भूषण, घनानन्द।

पाठ्य पुस्तक : मध्ययुगीन काव्यमंजरी-संपादक : 1. प्रो० प्रेमशंकर तिवारी
2. प्रो० परशुराम पाल

प्रथम प्रश्न- अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 x 2= 20 अंक

इकाई-1. बिहारी के निर्धारित काव्यांशों से सम्बन्धित व्याख्याएँ। 8+7=15

इकाई-2. भूषण और घनानन्द के निर्धारित काव्यांशों से सम्बन्धित व्याख्याएँ। 8+7=15

इकाई-3. बिहारी पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। 8+7=15

इकाई-4. भूषण और घनानन्द पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। 8+7=15

द्वितीय सेमेस्टर

बहुवैकल्पिक प्रश्नपत्र (MCQ)

इसमें कुल 80 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे जो निर्धारित सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर केन्द्रित होंगे।

प्रथम प्रश्नपत्र : हिन्दी भाषा तथा काव्यांग परिचय

(पूर्णांक : 80 + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

इकाई-1. हिन्दी भाषा का स्वरूप और विकास, ब्रज, अवधी, बुन्देली और भोजपुरी बोलियों का परिचय, हिन्दी शब्दसमूह, देवनागरी लिपि : गुण, दोष तथा सुधार।

इकाई-2. काव्यस्वरूप, काव्यहेतु और काव्य प्रयोजन।

इकाई-3. रस तथा उसके अवयवों का सामान्य परिचय, छन्द-बरवै, सवैया, रोला, कवित्त, दोहा, चौपाई और सोरठा।

इकाई-4. अलंकार- यमक, श्लेष, उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, असंगति, विभावना, विशेषोक्ति, अपह्नुति, व्यतिरेक और प्रतीप।

द्वितीय प्रश्नपत्र : हिन्दी नाट्य साहित्य

(पूर्णांक : 80 + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

हिन्दी नाटक एवं एकांकी का इतिहास विकास, प्रमुख नाटक, एकांकी एवं रचनाकारों का परिचय तथा निर्धारित रचनाएँ।

नाटक	: ध्रुवस्वामिनी	- जयशंकर प्रसाद
एकांकी	: औरंगजेब की आखिरी रात	- डॉ0 रामकुमार वर्मा
	: ताँबे के कीड़े	- भुवनेश्वर
	: रीढ़ की हड्डी	- जगदीशचन्द्र माथुर
	: वरुण वृक्ष का देवता	- लक्ष्मीनारायण लाल
	: पर्दे के पीछे	- उदयशंकर भट्ट

पाठ्य पुस्तक : हिन्दी नाट्यमंजरी- संपादक : 1. प्रो0 कालीचरण स्नेही
2. डॉ0 कृष्णाजी श्रीवास्तव

इकाई-1. 'ध्रुवस्वामिनी' तथा 'जयशंकर प्रसाद' पर आधारित प्रश्न।

इकाई-2. निर्धारित एकांकियों तथा एकांकीकारों पर आधारित प्रश्न।

इकाई-3. हिन्दी नाटक साहित्य के इतिहास-विकास पर आधारित प्रश्न।

इकाई-4. हिन्दी एकांकी साहित्य के इतिहास-विकास पर आधारित प्रश्न।

नोट : इस प्रश्नपत्र में कुल 80 प्रश्नों में से 40 प्रश्न निर्धारित लेखकों एवं उनकी रचनाओं पर आधारित होंगे तथा 40 प्रश्न हिन्दी नाटक एवं एकांकी साहित्य के इतिहास-विकास पर आधारित होंगे।

तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र : आधुनिक काव्य

(पूर्णांक : 80 + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

निर्धारित कवि : मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला', सुमित्रानन्दन पंत, महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह 'दिनकर', केदारनाथ अग्रवाल।

पाठ्य पुस्तक- आधुनिक काव्यमंजरी-संपादक : 1. प्रो0 प्रेम सुमन शर्मा
2. डॉ0 हेमांशु सेन

प्रथम प्रश्न- अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 x 2= 20 अंक

इकाई-1. मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद तथा सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' के निर्धारित काव्यांशों से व्याख्याएँ। 8+7=15

इकाई-2. सुमित्रानन्दन पंत,महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह 'दिनकर' तथा केदारनाथ अग्रवाल के निर्धारित काव्यांशों से व्याख्याएँ। 8+7=15

इकाई-3. मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद तथा सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। 8+7=15

इकाई-4. सुमित्रानन्दन पंत, महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह 'दिनकर' तथा केदारनाथ अग्रवाल पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। 8+7=15

द्वितीय प्रश्नपत्र : हिन्दी उपन्यास साहित्य

(पूर्णांक : 80 + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

निर्धारित पाठ्यक्रम-1.गबन (उपन्यास) -प्रेमचन्द
2. दिव्या (उपन्यास) -यशपाल

प्रथम प्रश्न- अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 x 2= 20 अंक

इकाई-1. 'गबन' से व्याख्याएँ। 8+7=15

इकाई-2. 'दिव्या' से व्याख्याएँ। 8+7=15

इकाई-3. 'गबन' तथा प्रेमचन्द पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। 8+7=15

इकाई-4. 'दिव्या' तथा यशपाल पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। 8+7=15

चतुर्थ सेमेस्टर

बहुवैकल्पिक प्रश्नपत्र (MCQ)

इसमें कुल 80 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे जो निर्धारित सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर केन्द्रित होंगे।

प्रथम प्रश्नपत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास

(पूर्णांक : 80 + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

इकाई-1. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : परिस्थितियाँ और प्रवृत्तियाँ। निर्गुण भक्ति काव्य : परिचय एवं विशेषताएँ। सन्त काव्य तथा सूफ़ी काव्य : परिचय तथा प्रवृत्तियाँ।

इकाई-2. सगुण भक्तिकाव्य : परिचय एवं विशेषताएँ। रामभक्ति काव्य तथा कृष्णभक्ति काव्य : परिचय तथा प्रवृत्तियाँ। रीतिकालीन काव्य : प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि रचनाकार तथा प्रतिनिधि रचनाएँ।

इकाई-3. आधुनिक काल-भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद तथा नई कविता की प्रवृत्तियाँ और प्रमुख कवि।

इकाई-4. गद्य की प्रमुख विधाएँ-कहानी, निबन्ध, उपन्यास और नाटक : सामान्य परिचय एवं विशेषताएँ।

द्वितीय प्रश्नपत्र : हिन्दी कहानी साहित्य

(पूर्णांक : 80 + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

निर्धारित पाठ्यक्रम-

सभ्यता का रहस्य	-	प्रेमचंद
आँधी	-	जयशंकर प्रसाद
कलाकार की आत्महत्या	-	यशपाल
अमृतसर आ गया है	-	भीष्म साहनी
तीसरी कसम, अर्थात् मारे गए गुलफ़ाम	-	फणीश्वरनाथ 'रेणु'
नीली झील	-	कमलेश्वर
वापसी	-	उषा प्रियम्वदा
त्रिशंकु	-	मन्नू भंडारी

पाठ्य पुस्तक-हिन्दी कथा मंजरी - संपादक :- 1. प्रो0 रश्मि कुमार
2. प्रो0 पवन अग्रवाल

इकाई-1. सभ्यता का रहस्य, आँधी, कलाकार की आत्महत्या, अमृतसर आ गया है कहानियों तथा उनके कहानीकारों पर आधारित प्रश्न।

इकाई-2. तीसरी कसम, अर्थात् मारे गए गुलफ़ाम, नीली झील, वापसी, त्रिशंकु कहानियों तथा उनके कहानीकारों पर आधारित प्रश्न।

इकाई-3. हिन्दी कहानी साहित्य (स्वतंत्रतापूर्व) के इतिहास-विकास पर आधारित प्रश्न।

इकाई-4. हिन्दी कहानी साहित्य (स्वातंत्र्योत्तर) के इतिहास-विकास पर आधारित प्रश्न।

नोट : इस प्रश्नपत्र में कुल 80 प्रश्नों में से 40 प्रश्न निर्धारित कहानीकारों एवं उनकी रचनाओं पर आधारित होंगे तथा 40 प्रश्न हिन्दी कहानी साहित्य के इतिहास-विकास पर आधारित होंगे।

पंचम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र : अद्यतन हिन्दी काव्य (भाग-1)

(पूर्णांक : 80 + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

निर्धारित कवि : सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', शमशेरबहादुर सिंह, नागार्जुन, गजाननमाधव 'मुक्तिबोध'।

पाठ्य पुस्तक : अद्यतन काव्यमंजरी-संपादक- 1. प्रो0 रीता चौधरी
2. प्रो0 सूरज बहादुर थापा

प्रश्न प्रश्न - अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 x 2= 20 अंक

इकाई-1. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' और शमशेरबहादुर सिंह के निर्धारित काव्यांशों से सम्बन्धित व्याख्याएँ। 8+7=15

इकाई-2. नागार्जुन और गजाननमाधव 'मुक्तिबोध' के निर्धारित काव्यांशों से सम्बन्धित व्याख्याएँ। 8+7=15

इकाई-3. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' और शमशेरबहादुर सिंह पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। 8+7=15

इकाई-4. नागार्जुन और गजाननमाधव 'मुक्तिबोध' पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। 8+7=15

द्वितीय प्रश्नपत्र : अद्यतन हिन्दी काव्य (भाग-2)

(पूर्णांक : 80 + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

निर्धारित कवि : भवानीप्रसाद मिश्र, धर्मवीर भारती, रघुवीर सहाय, सुदामा पाण्डेय 'धूमिल'।

पाठ्य पुस्तक : अद्यतन काव्यमंजरी-संपादक- 1. प्रो0 रीता चौधरी
2. प्रो0 सूरज बहादुर थापा

प्रथम प्रश्न-अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 x 2= 20 अंक

इकाई-1. भवानीप्रसाद मिश्र और धर्मवीर भारती के निर्धारित काव्यांशों से सम्बन्धित व्याख्याएँ। 8+7=15

इकाई-2. रघुवीर सहाय और सुदामा पाण्डेय 'धूमिल' के निर्धारित काव्यांशों से सम्बन्धित व्याख्याएँ। 8+7=15

इकाई-3. भवानीप्रसाद मिश्र और धर्मवीर भारती पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। 8+7=15

इकाई-4. रघुवीर सहाय और सुदामा पाण्डेय 'धूमिल' पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। 8+7=15

तृतीय प्रश्नपत्र : हिन्दी निबन्ध तथा अन्य गद्य विधाएँ

(पूर्णांक : 80 + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

निर्धारित पाठ्यक्रम-

करुणा (निबंध)	-	आचार्य रामचंद्र शुक्ल
कुटज (ललित निबंध)	-	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर (व्यंग्य)	-	हरिशंकर परसाई
लिखने का दर्द (जीवनी)	-	विष्णु प्रभाकर
विनोबा के साथ दो दिन (संस्मरण)	-	रामवृक्ष बेनीपुरी
भक्तिन (रेखाचित्र)	-	महादेवी वर्मा
मानुष बने रहो (रिपोर्ताज)	-	फणीश्वरनाथ 'रेणु'
जूठन (आत्मकथांश)	-	ओमप्रकाश वाल्मीकि

पाठ्य पुस्तक : अद्यतन हिन्दी गद्य विधाएँ-संपादक- 1. प्रो0 योगेन्द्र प्रताप सिंह
2. डॉ0 श्रुति

प्रथम प्रश्न-अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 x 2= 20 अंक

इकाई-1. करुणा, कुटज, इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर तथा लिखने का दर्द से व्याख्याएँ। 8+7=15

इकाई-2. विनोबा के साथ दो दिन, भक्तिन मानुष बने रहो तथा जूठन से व्याख्याएँ। 8+7=15

इकाई-3. करुणा, कुटज, इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर तथा लिखने का दर्द एवं उनके लेखकों पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। 8+7=15

इकाई-4. विनोबा के साथ दो दिन, भक्तिन, मानुष बने रहो तथा जूठन एवं उनके लेखकों पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। 8+7=15

षष्ठ सेमेस्टर

बहुवैकल्पिक प्रश्नपत्र (MCQ)

इसमें कुल 80 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे जो निर्धारित सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर केन्द्रित होंगे।

प्रथम प्रश्नपत्र : आधुनिक अवधी काव्य

(पूर्णांक : 80 + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

निर्धारित पाठ्यक्रम -

- आधुनिक अवधी काव्य का इतिहास-विकास
- आधुनिक अवधी कवि और उनकी काव्य रचनाएँ

निर्धारित कवि- बलभद्रप्रसाद दीक्षित 'पढ़ीस', चन्द्रभूषण त्रिवेदी 'रमई काका', वंशीधर शुक्ल और त्रिलोचन शास्त्री।

पाठ्य पुस्तक : आधुनिक ब्रजावधी काव्यमंजरी-संपादक- 1. प्रो0 रमेशचन्द्र त्रिपाठी
2. प्रो0 अलका पाण्डेय

इकाई-1. बलभद्रप्रसाद दीक्षित 'पढ़ीस' तथा रमई काका व उनकी रचनाओं पर आधारित प्रश्न।

इकाई-2. वंशीधर शुक्ल तथा त्रिलोचन शास्त्री व उनकी रचनाओं पर आधारित प्रश्न।

इकाई-3. आधुनिक अवधी काव्य के इतिहास-विकास पर आधारित प्रश्न।

इकाई-4. आधुनिक अवधी काव्य के इतिहास-विकास पर आधारित प्रश्न।

नोट : इस प्रश्नपत्र में कुल 80 प्रश्नों में से 40 प्रश्न निर्धारित कवियों एवं उनकी रचनाओं पर आधारित होंगे तथा 40 प्रश्न आधुनिक अवधी काव्य के इतिहास-विकास पर आधारित होंगे।

द्वितीय प्रश्नपत्र : आधुनिक ब्रजभाषा काव्य

(पूर्णांक : 80 + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

निर्धारित पाठ्यक्रम –

- आधुनिक ब्रजभाषा काव्य का इतिहास-विकास
- आधुनिक ब्रजभाषा कवि और काव्य रचनाएँ

निर्धारित कवि-भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, जगन्नाथदास 'रत्नाकर', गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही', डॉ0 जगदीश गुप्त।

पाठ्य पुस्तक : आधुनिक ब्रजावधी काव्यमंजरी-संपादक- 1. प्रो0 रमेशचन्द्र त्रिपाठी
2. प्रो0 अलका पाण्डेय

इकाई-1. भारतेन्दु हरिश्चन्द तथा जगन्नाथदास 'रत्नाकर' व उनकी रचनाओं पर आधारित प्रश्न।

इकाई-2. गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही' तथा डॉ0 जगदीश गुप्त व उनकी रचनाओं पर आधारित प्रश्न।

इकाई-3. आधुनिक ब्रजभाषा काव्य के इतिहास-विकास पर आधारित प्रश्न।

इकाई-4. आधुनिक ब्रजभाषा काव्य के इतिहास-विकास पर आधारित प्रश्न।

नोट : इस प्रश्नपत्र में कुल 80 प्रश्नों में से 40 प्रश्न निर्धारित कवियों एवं उनकी रचनाओं पर आधारित होंगे तथा 40 प्रश्न आधुनिक ब्रजभाषा काव्य के इतिहास-विकास पर आधारित होंगे।

तृतीय प्रश्नपत्र : हिन्दी व्याकरण

(पूर्णांक : 80 + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

इकाई-1. संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण।

इकाई-2. अव्यय, उपसर्ग, प्रत्यय, सन्धि।

इकाई-3. समास, पर्याय, विलोम, वर्तनी-शुद्धि।

इकाई-4. वाक्य-शुद्धि, वाक्यांश के लिए एक शब्द, मुहावरे, लोकोक्ति।

बी0 ए0 प्रयोजनमूलक हिन्दी

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र : हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि

(पूर्णांक : 80 + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

प्रथम प्रश्न-अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 x 2= 20 अंक

इकाई-1 हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास। भाषा की परिभाषा, प्रकृति तथा विशेषताएँ। भाषा और बोली में साम्य-वैषम्य। हिन्दी के विभिन्न रूप-सर्जनात्मक भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, राज्यभाषा, संपर्क भाषा, हिन्दी का मानकीकरण। 8+7=15

इकाई-2 हिन्दी व्याकरण का सामान्य परिचय : वर्ण, शब्द, पद तथा वाक्य। शब्दों के भेद-तत्सम, तद्भव, देशज तथा विदेशी। रूढ़, यौगिक और योगरूढ़ शब्द। शब्दों की व्याकरणिक कोटियाँ- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रियाविशेषण तथा अव्यय। उपसर्ग एवं प्रत्यय। वर्तनी, लिंग, पुरुष, वचन तथ काल। 8+7=15

इकाई-3 ध्वनि विज्ञान : उच्चारण अवयव, ध्वनि का वर्गीकरण-स्वर एवं व्यंजन ध्वनियाँ। कारक के भेद और उनकी विभक्तियाँ। 8+7=15

इकाई-4 देवनागरी लिपि का परिचय एवं विकास। देवनागरी लिपि का मानकीकरण, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता , गुण और सीमाएँ तथा सुधारों का इतिहास। 8+7=15

द्वितीय प्रश्नपत्र : कार्यालयी हिन्दी

(पूर्णांक : 80 + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

इकाई-1 कार्यालयी हिन्दी : अभिप्राय तथा उद्देश्य, कार्यालयी हिन्दी का क्षेत्र, सामान्य हिन्दी तथा कार्यालयी हिन्दी : सम्बन्ध तथा अन्तर, कार्यालयी हिन्दी की स्थिति और संभावनाएँ। 8+7=15

इकाई-2 पत्र की अवधारणा, स्वरूप और महत्त्व। पत्राचार के प्रकार : सामान्य परिचय। कार्यालय से निर्गत पत्र- ज्ञापन, परिपत्र,

अनुस्मारक, आदेश, पृष्ठांकन, सूचनाएँ, निविदा, प्रेस विज्ञप्ति, पावती पत्र, स्वीकृति पत्र, प्रतिवेदन। आवेदन सम्बन्धी पत्र-लेखन। 8+7=15

इकाई-3 व्यावसायिक एवं वाणिज्यिक पत्राचार - व्यावसायिक पत्र की विशेषताएँ। व्यावसायिक एवं कार्यालयी पत्रों में अंतर। पूछताछ सम्बन्धी पत्र, संदर्भ पत्र, शिकायती पत्र, माल के आदेश संबंधी पत्र, तकादा तथा भुगतान संबंधी पत्र। निविदा सूचनाएँ, कोटेशन, इनवाइस बिल। बैंकिंग और बीमा में हिन्दी। 8+7=15

इकाई-4 टिप्पण का स्वरूप, विशेषताएँ और भाषा-शैली, संक्षेपण : अर्थ एवं विशेषताएँ, संक्षेपण विधि, संक्षेपण की उपयोगिता तथा भाषा शैली। विस्तारण : स्वरूप, अर्थ तथा परिभाषा, विस्तारण के तत्त्व और प्रक्रिया, विस्तारण का महत्त्व एवं उपयोगिता। 8+7=15

द्वितीय सेमेस्टर

बहुवैकल्पिक प्रश्नपत्र (MCQ)

इसमें कुल 80 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे जो निर्धारित सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर केन्द्रित होंगे।

प्रथम प्रश्नपत्र : प्रयोजनमूलक हिन्दी और राजभाषा नीति

(पूर्णांक : 80 + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

इकाई-1 प्रयोजनमूलक हिन्दी : अर्थ, स्वरूप एवं क्षेत्र-विस्तार, प्रयोजनमूलक हिन्दी तथा साहित्यिक हिन्दी में साम्य-वैषम्य, प्रयोजनमूलक हिन्दी की प्रयुक्तियाँ और उसके प्रयोगात्मक क्षेत्र, प्रयोजनमूलक हिन्दी की विशेषताएँ एवं महत्त्व, प्रयोजनमूलक हिन्दी : समस्याएँ और समाधान, सीमाएँ और संभावनाएँ।

इकाई-2 राजभाषा, राष्ट्रभाषा और संपर्क भाषा, पारिभाषिक शब्दावली की परिभाषा तथा विशेषताएँ, आवश्यकता तथा महत्त्व, सामान्य और पारिभाषिक शब्दों में अन्तर।

इकाई-3 हिन्दी प्रशिक्षण : योजनाएँ तथा प्रोत्साहन, हिन्दी के प्रचार-प्रसार से सम्बन्धित संस्थाएँ -फोर्ट विलियम कॉलेज, कोलकाता, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, चेन्नई, हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा (महाराष्ट्र), बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, राजभाषा विभाग, भारत सरकार।

इकाई-4 राजभाषा सम्बन्धी संवैधानिक उपबंध-संघ की राजभाषा नीति, संसद में प्रयुक्त होने वाली भाषा, संघ की राजभाषा, विधानमंडल में प्रयुक्त होने वाली भाषा, राजभाषा के लिए आयोग और संसद की समिति-1955,1957, राजभाषा अधिनियम-1963, द्विभाषिक स्थिति-1965, राजभाषा (संशोधन) अधिनियम-1967, राजभाषा संकल्प-1968, राजभाषा नियम-1976, हिन्दी प्रयोग सम्बन्धी राष्ट्रपति के आदेश-1952,1960, त्रिभाषा फ़ार्मूला।

द्वितीय प्रश्नपत्र : प्रायोगिक कार्य

(पूर्णांक : 80 + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

नोट : बी०ए० प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर के पाठ्यक्रम के आधार पर प्रायोगिक कार्य होगा।

तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र : अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग

(पूर्णांक : 80 + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

प्रथम प्रश्न-अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 x 2= 20 अंक

इकाई-1 अनुवाद की अवधारणा, स्वरूप एवं प्रकृति, अनुवाद कार्य की आवश्यकता तथा महत्त्व, अनुवाद की प्रक्रिया, हिन्दी अनुवाद का राष्ट्रीय प्राधिकरण। 8+7=15

इकाई-2 अनुवाद के प्रकार, अनुवाद की भूमिका के पक्ष : पाठक की भूमिका (अर्थ ग्रहण की) द्विभाषिक की भूमिका (अर्थान्तरण की प्रक्रिया) एवं रचयिता की भूमिका (अर्थ संप्रेषण की प्रक्रिया), अनुवादक के गुण, अनुवाद की व्यावसायिक संभावनाएँ। 8+7=15

इकाई-3 दुभाषिया प्रविधि : अवधारणा एवं स्वरूप। आशु अनुवाद की विशेषताएँ तथा महत्त्व। आशु अनुवाद एवं दुभाषिया कला। दुभाषिया के गुण तथा महत्त्व। 8+7=15

इकाई-4 अनुवाद की समस्याएँ और समाधान, मशीनी अनुवाद : संभावनाएँ और सीमाएँ, अनुवाद के सिद्धांत, हिन्दी से अंग्रेजी तथा अंग्रेजी से हिन्दी वाक्यानुवाद। 8+7=15

द्वितीय प्रश्नपत्र : विज्ञापन और हिन्दी भाषा

(पूर्णांक : 80 + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

प्रथम प्रश्न-अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 x 2= 20 अंक

इकाई-1 विज्ञापन : अर्थ, स्वरूप एवं परिभाषा, विज्ञापन का महत्त्व, विज्ञापन के सामाजिक तथा व्यावसायिक उद्देश्य, मार्केटिंग और ब्रांड-निर्माण, विज्ञापन के नए संदर्भ (प्रायोजित कार्यक्रम)। 8+7=15

इकाई-2 विज्ञापन के विविध आयाम : सामान्य परिचय, विज्ञापन माध्यम का चयन, प्रिंट, रेडियो एवं टेलीविज़न के लिए कॉपी लेखन। 8+7=15

इकाई-3 विज्ञापन की भाषा का स्वरूप तथा विशेषताएँ, विज्ञापन की भाषा के विभिन्न पक्ष, सादृश्य विधान, अलंकरण, तुकांतता, मुहावरे तथा लोकोक्तियाँ। 8+7=15

इकाई-4 विज्ञापन निर्माण का अभ्यास, प्रिंट माध्यम : वर्गीकृत एवं सजावटी विज्ञापन- निर्माण, रेडियो जिंगल लेखन, टेलीविज़न के लिए स्टोरी बोर्ड-निर्माण। 8+7=15

चतुर्थ सेमेस्टर

बहुवैकल्पिक प्रश्नपत्र (MCQ)

इसमें कुल 80 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे जो निर्धारित सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर केन्द्रित होंगे।

प्रथम प्रश्नपत्र : कम्प्यूटर और हिन्दी भाषा

(पूर्णांक : 80 + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

इकाई-1 कम्प्यूटर का विकास और हिन्दी : कम्प्यूटर का परिचयात्मक इतिहास, कम्प्यूटर में हिन्दी का आरम्भ और विकास, हिन्दी के विभिन्न फॉन्ट।

इकाई-2 हिन्दी भाषा और प्रौद्योगिकी : इंटरनेट पर हिन्दी, यूनिकोड, देवनागरी लिपि और हिन्दी भाषा, वेब पत्रकारिता, हिन्दी और वेब डिजाइनिंग, हिन्दी की वेबसाइट्स।

इकाई-3 हिन्दी भाषा, कम्प्यूटर और गवर्नेंस : राजभाषा हिन्दी के प्रसार में कम्प्यूटर की भूमिका, ई-गवर्नेंस, इंटरनेट, ई-लर्निंग।

इकाई-4 हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर के विविध पक्ष : इंटरनेट पर हिन्दी पत्र-पत्रिकाएँ, एसएमएस की हिन्दी, न्यू मीडिया और हिन्दी भाषा-ट्विटर, ब्लॉग, विकीपीडिया। हिन्दी के विभिन्न की-बोर्ड।

द्वितीय प्रश्नपत्र : प्रायोगिक कार्य

(पूर्णांक : 80 + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

नोट : बी०ए० तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम के आधार पर प्रायोगिक कार्य होगा।

पंचम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र : टिप्पणी एवं आलेखन

(पूर्णांक : 80 + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

प्रथम प्रश्न-अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 x 2= 20 अंक

इकाई-1 टिप्पणी : स्वरूप, अर्थ और परिभाषा। टिप्पणी का क्षेत्र, टिप्पणी के प्रकार, टिप्पणी लेखन की विशेषताएँ। टिप्पणी के सामान्य दोष और उनसे बचाव। टिप्पणी लेखन की प्रक्रिया, टिप्पणी के अवयव, टिप्पणी लेखन के उद्देश्य, टिप्पणी और टिप्पण में अंतर। 8+7=15

इकाई-2 फाइल पद्धति, प्रकरण निर्माण, संदर्भ पत्रिकाएँ, पंजीयन, कार्यवृत्त। 8+7=15

इकाई-3 आलेखन : अर्थ, स्वरूप तथा परिभाषा। आलेखन का क्षेत्र तथा प्रकार। आलेखन के अंग। सरकारी कार्यालयों में आलेखन विधि या मसौदा लेखन के महत्त्वपूर्ण नियम। आलेखन की विशेषताएँ। 8+7=15

इकाई-4 अभिलेख : अभिप्राय, विशेषताएँ, प्रकार एवं सिद्धांत। पूरक पत्र, प्रेषण। पत्र-व्यवहार के संदर्भ में संक्षेपण और उसकी पद्धतियाँ- प्रवाह संक्षेप और तालिका संक्षेप। 8+7=15

द्वितीय प्रश्नपत्र : संचार माध्यम

(पूर्णांक : 80 + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

प्रथम प्रश्न-अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 x 2= 20 अंक

इकाई-1 संचार का अभिप्राय एवं महत्त्व। संचार के प्रकार-अंतर्वैयक्तिक संचार, समूह संचार, जनसंचार। संचार माध्यम के प्रकार-परंपरागत तथा आधुनिक संचार माध्यम। संचार के सिद्धांत-भारतीय और पाश्चात्य सिद्धांत। 8+7=15

इकाई-2 भारत में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का विकास। जनसंचार माध्यम के रूप में रेडियो की भूमिका। रेडियो का उद्देश्य, उपयोग तथा महत्त्व। मीडिया लेखन के सिद्धांत। रेडियो लेखन की विशेषताएँ। मल्टीमीडिया का अभिप्राय। प्रसार भारती बोर्ड की भूमिका। 8+7=15

इकाई-3 टेलीविज़न का विकासात्मक इतिहास एवं प्रयोगात्मक प्रणाली। टेलीविज़न का उद्देश्य, उपयोग तथा महत्त्व। टेलीविज़न लेखन की विशेषताएँ। मल्टीमीडिया का अभिप्राय। 8+7=15

इकाई-4 संचार माध्यम लेखन प्रविधि एवं प्रूफ़ संशोधन। कॉपी होल्डर एवं प्रूफ़ संशोधन। प्रूफ़ संशोधन के महत्त्वपूर्ण तत्त्व। प्रूफ़ संशोधन चिह्न। प्रूफ़ शोधक के गुण। 8+7=15

तृतीय प्रश्नपत्र : जनसंपर्क और टेलीकांफ्रेसिंग

(पूर्णांक : 80 + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

इकाई-1 जनसंपर्क अधिकारी : योग्यता, दायित्व और कार्यक्षेत्र। जनसंपर्क संबंधी कानून और आचारसंहिता। 8+7=15

इकाई-2 टंकण का अर्थ, टंकण यंत्रों का विकासात्मक इतिहास, टंकण यंत्रों के प्रकार, प्रभार तथा क्षेत्र। टंकण यंत्र सम्बन्धी पारिभाषिक शब्दावली। 8+7=15

इकाई-3 आशुलेखन का अर्थ, विकास, उपयोगिता, कार्यक्षेत्र, आशुलेखन के गुण एवं अभ्यास। 8+7=15

इकाई-4 टेलीप्रिन्टर, फैक्स, टेलेक्स, टेलीकॉन्फ्रेन्सिग, ब्रॉडबैंड, ऑडियो, वीडियो। जनसंपर्क : परिभाषा तथा उद्देश्य, जनसंपर्क के तत्त्व और कार्यक्षेत्र।

षष्ठ सेमेस्टर

बहुवैकल्पिक प्रश्नपत्र (MCQ)

प्रथम प्रश्नपत्र : हिन्दी प्रिंट मीडिया

(पूर्णांक : 80 + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

इसमें कुल 80 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे जो निर्धारित सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर केन्द्रित होंगे।

इकाई-1 भारत में प्रिंट मीडिया का विकास। पत्रकारिता के विविध रूप, पत्रकार के गुण।

इकाई-2 प्रेसविज्ञप्ति की मुख्य विषयवस्तु, मीडिया सम्बन्धी पारिभाषिक शब्दावली। समीक्षा और संपादन।

इकाई-3 संपादन कला : संपादक के गुण तथा दायित्व, संपादन के सिद्धांत, संपादकीय विभाग, संपादकीय पृष्ठ।

इकाई-4 चौथे स्तम्भ के रूप में प्रेस की भूमिका, पत्रकारिता का बदलता स्वरूप।

द्वितीय प्रश्नपत्र : पारिभाषिक शब्दावली

(पूर्णांक : 80 + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

इकाई-1 पारिभाषिक शब्दावली : अर्थ, परिभाषा तथा निर्माण-प्रक्रिया, निर्माण के संप्रदाय-प्राचीनतावादी, अभिग्रहणवादी, प्रयोगवादी तथा समन्वयवादी।

इकाई-2 सामान्य शब्द और पारिभाषिक शब्दों में अंतर। वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली, प्रशासनिक शब्दावली।

इकाई-3 विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावलियाँ- हिन्दी में संचार माध्यम की शब्दावली, रेडियो एवं टेलीविज़न सम्बन्धी शब्दावली।

इकाई-4 विज्ञापन सम्बन्धी शब्दावली, हिन्दी में पर्यावरण सम्बन्धी शब्दावली। कम्प्यूटर सम्बन्धी शब्दावली।

तृतीय प्रश्नपत्र : प्रायोगिक कार्य

(पूर्णांक : 80 + 20 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

नोट : बी०ए० पंचम एवं षष्ठ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम के आधार पर प्रायोगिक कार्य होगा। ■

बी0 ए0 (हिन्दी) आनर्स पाठ्यक्रम

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास (प्रारम्भ से रीतिकाल तक)

(पूर्णांक : 70 + 30 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

पाठ्यक्रम पर आधारित अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 x 3= 30 अंक

इकाई 1- आदिकाल- हिन्दी साहित्येतिहास- आशय, लेखन की आवश्यकता, काल विभाजन एवं नामकरण, आदिकाल- पृष्ठभूमि, परिस्थितियाँ- सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, साहित्यिक, नामकरण, आदिकालीन साहित्य का वर्गीकरण-धर्माश्रित (सिद्ध, नाथ, जैन साहित्य), राज्याश्रित (रासो साहित्य), लोकाश्रित साहित्य (फागु, मुकरियां, पहेली), सामान्य प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि एवं रचनाएँ। **10 अंक**

इकाई 2- भक्तिकाल- पृष्ठभूमि, परिस्थितियाँ-सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, साहित्यिक, सामान्य प्रवृत्तियाँ, निर्गुण भक्तिकाव्य- ज्ञानाश्रयी शाखा- प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि एवं रचनाएँ, प्रेमाश्रयी शाखा- प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि एवं रचनाएँ। **10 अंक**

इकाई 3- भक्तिकाल- कृष्णाश्रयी शाखा- प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि एवं रचनाएँ, रामाश्रयी शाखा- प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि एवं रचनाएँ। **10 अंक**

इकाई 4- रीतिकाल- पृष्ठभूमि, परिस्थितियाँ-सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, साहित्यिक, सामान्य प्रवृत्तियाँ, रीति कवियों की कोटियाँ-रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, कवि एवं रचनाएँ। **10 अंक**

द्वितीय प्रश्नपत्र : भक्तिकालीन हिन्दी काव्य

(पूर्णांक : 70 + 30 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

पाठ्यक्रम पर आधारित अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 x 3= 30 अंक

इकाई-1. कबीरदास-कबीर ग्रंथावली, (संपा0 श्यामसुन्दरदास, साखी सं0-3, 4, 20 (गुरुदेव कौ अंग), 4, 30 (सुमिरण कौ अंग), 6, 11, (बिरह कौ अंग), 17,

34 (परचा कौ अंग), 1, 2 (रस कौ अंग), 2, 14 (निहकर्मी पतिब्रता कौ अंग), 9, 13 (चितावणी कौ अंग), 27, 29 (मन कौ अंग), 2, 6, 8 (साध कौ अंग)। पद सं0- 40, 52, 111, 131, 186, मलिक मुहम्मद जायसी-(जायसी ग्रंथावली, संपा0- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नखशिख खण्ड-प्रारम्भिक दस छन्द) से व्याख्याएँ। **10 अंक**

इकाई-2. सूरदास-भ्रमरगीत सार (संपा0 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल) पद सं0 23, 34, 42, 50, 52, 57, 61, 62, 64, 99), तुलसीदास- रामचरितमानस (गीताप्रेस, गोरखपुर) उत्तर-काण्ड (दोहा सं0 36 के बाद से दोहा सं0 41 तक), विनयपत्रिका (गीता प्रेस, गोरखपुर) पद सं0 105,172,198, कवितावली (गीता प्रेस, गोरखपुर) छन्द सं0 3 (बालकांड), 21 (अयोध्याकांड), 129 (उत्तरकांड) से व्याख्याएँ। **10 अंक**

इकाई-3. कबीरदास तथा मलिक मुहम्मद जायसी पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। **10 अंक**

इकाई-4. सूरदास तथा तुलसीदास पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। **10 अंक**

तृतीय प्रश्नपत्र : रीतिकालीन हिन्दी काव्य

(पूर्णांक : 70 + 30 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

पाठ्यक्रम पर आधारित अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 x 3= 30 अंक

इकाई-1. बिहारी (रीतिकाव्यधारा, संपा0, डॉ0 रामचन्द्र तिवारी व डॉ0 रामफेर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी) दोहा संख्या-1, 2, 4, 5, 6, 10, 13, 21, 22, 35, 38, 40, 43, 46, 53, 54, 58, 59, 61, 63, 64, 65, 66, 72, 75), घनानन्द (रीतिकाव्य धारा संपा0 डॉ0 रामचन्द्र तिवारी व डॉ0 रामफेर त्रिपाठी) छन्द संख्या-3, 4, 6, 7, 9, 10, 11, 18, 19, 20 से व्याख्याएँ। **10 अंक**

इकाई-2. देव (रीतिकाव्यधारा, संपा0 डॉ0 रामचन्द्र तिवारी व डॉ0 रामफेर त्रिपाठी) छन्द संख्या-10, 28, 29, 31, 33, 39, 40, 42, 45, 49) भूषण (रीतिकाव्यधारा, संपा0 डॉ0 रामचन्द्र तिवारी व डॉ0 रामफेर त्रिपाठी) छन्द संख्या-1, 3, 11, 18, 20, 21, 26, 28, 31, 34 से व्याख्याएँ। **10 अंक**

इकाई-3. बिहारी तथा घनानन्द पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। **10 अंक**

इकाई-4. देव तथा भूषण पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। **10 अंक**

द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र : आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास

(पूर्णांक : 70 + 30 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

पाठ्यक्रम पर आधारित अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 x 3= 30 अंक

इकाई-1 आधुनिक काल - पृष्ठभूमि-परिस्थितियाँ -सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक, सामान्य प्रवृत्तियाँ, पूर्व भारतेन्दु युग के प्रमुख रचनाकार। **10 अंक**

इकाई-2 भारतेन्दु युग-पृष्ठभूमि, परिस्थितियाँ-सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक, सामान्य प्रवृत्तियाँ, गद्य लेखन, भारतेन्दु मण्डल, भारतेन्दु युगीन काव्य, प्रमुख पत्र-पत्रिकाएँ। द्विवेदी युग- पृष्ठभूमि, परिस्थितियाँ-सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक, सामान्य प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएँ, प्रमुख पत्र-पत्रिकाएँ। **10 अंक**

इकाई-3 छायावाद-पृष्ठभूमि, परिस्थितियाँ-सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक, सामान्य प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकर और रचनाएँ, छायावादी गद्य। प्रगतिवाद-पृष्ठभूमि, परिस्थितियाँ- सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक, सामान्य प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएँ, प्रगतिवादी समीक्षा। प्रयोगवाद-पृष्ठभूमि, परिस्थितियाँ-सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक, सामान्य प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएँ। **10 अंक**

इकाई-4 नई कविता-स्वरूप एवं विकास, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि एवं कृतियाँ। प्रयोगवादी कविता एवं नई कविता में अन्तर। समकालीन कविता- समकालीन शब्द का आशय, समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ, नई कविता एवं समकालीन कविता में अन्तर, प्रमुख कवि एवं कृतियाँ। **10 अंक**

द्वितीय प्रश्नपत्र : आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावाद तक)

(पूर्णांक : 70 + 30 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

पाठ्यक्रम पर आधारित अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 x 3= 30 अंक

इकाई-1. जयशंकर प्रसाद (5 काव्यांश/कविताएँ : 'कामायनी'-श्रद्धा सर्ग-कौन तुम ? संसृति जलनिधि तीर.....अधिक अलसायी हो अभिराम, 'आँसू' -बस गई एक बस्ती.....सुकवि को, 'लहर' -लेचल मुझे भुलावा देकर, बीती विभावरी

जाग री !, 'चन्द्रगुप्त' -अरुण यह मधुमय देश हमारा, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (5 कविताएँ-सखी बसंत आया, तोड़ती पत्थर, भिक्षुक, भारती वंदना, संध्यासुन्दरी) से व्याख्याएँ। **10 अंक**

इकाई-2. सुमित्रानंदन पन्त (5 कविताएँ- मौन निमंत्रण, एक तारा, नवसंस्कृति, प्रभात का चाँद, गीत विहग), महादेवी वर्मा (5 कविताएँ- निशा की धो देता राकेश, चुभते ही तेरा अरुण बान, विरह का जलजात जीवन, मधुर-मधुर मेरे दीपक जल, मैं नीर भरी दु:ख की बदली से व्याख्याएँ)। **10 अंक**

इकाई-3. जयशंकर प्रसाद तथा सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। **10 अंक**

इकाई-4. सुमित्रानंदन पन्त तथा महादेवी वर्मा पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। **10 अंक**

तृतीय प्रश्नपत्र : छायावादोत्तर हिन्दी काव्य

(पूर्णांक : 70 + 30 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

पाठ्यक्रम पर आधारित अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 x 3= 30 अंक

इकाई-1. दिनकर (5 काव्यांश/कविताएँ)- 'कुरुक्षेत्र' (षष्ठ सर्ग-पूर्व युग-सा आज .....मन के लिए लघु गेह) 'उर्वशी' : (तृतीय अंक-मैं मानवी नहीं .....स्वयं प्रकृति है), हिमालय, गीत-अगीत, ओ नदी, अज्ञेय (5 कविताएँ-यह दीप अकेला, कलगी बाजरे की, नदी के द्वीप, बावरा अहेरी, आज तुम शब्द न दो) से व्याख्याएँ। **10 अंक**

इकाई-2. नागार्जुन (5 कविताएँ)- बादल को घिरते देखा, सिन्दूर तिलकित भाल, अकाल और उसके बाद, वह दंतुरित मुस्कान, कालिदास), मुक्तिबोध (5 कविताएँ-'अँधेरे में'(पहला खण्ड) भूल-गलती, मुझे क़दम-क़दम पर, ब्रह्मराक्षस-शहर के उस ओर..... जो बावड़ी में अड़ गई, सहर्श स्वीकारा है) से व्याख्याएँ। **10 अंक**

इकाई-3. दिनकर और अज्ञेय पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। **10 अंक**

इकाई-4. नागार्जुन और मुक्तिबोध पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। **10 अंक**

तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र : हिन्दी गद्य साहित्य की विविध विधाएँ

(पूर्णांक : 70 + 30 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

पाठ्यक्रम पर आधारित अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 x 3= 30 अंक

इकाई-1. हिन्दी नाट्य साहित्य का उद्भव विकास, नाटक, एकांकी, भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, प्रसाद युग, प्रसादोत्तर युग, प्रमुख नाटककार एवं नाट्य कृतियाँ। **10 अंक**

इकाई-2. हिन्दी कथा साहित्य का उद्भव विकास, उपन्यास-भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, प्रेमचन्द युग, प्रेमचन्दोत्तर युग। कहानी- भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, प्रेमचन्द युग, कहानी आन्दोलन। **10 अंक**

इकाई-3. हिन्दी निबन्ध साहित्य का उद्भव विकास, निबन्ध के भेद, भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, शुक्ल युग, शुक्लोत्तर युग, ललित निबन्ध, प्रमुख निबन्धकार-भाषा एवं शैली। **10 अंक**

इकाई-4. हिन्दी की अन्य गद्य विधाएँ- आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, यात्रा-वृतांत, डायरी। **10 अंक**

द्वितीय प्रश्नपत्र : हिन्दी कहानी साहित्य

(पूर्णांक : 70 + 30 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

पाठ्यक्रम पर आधारित अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 x 3= 30 अंक

इकाई-1. प्रेमचन्द-'पूस की रात' तथा भीष्म साहनी-'चीफ़ की दावत' कहानियों से सम्बन्धित व्याख्याएँ। **10 अंक**

इकाई-2. कमलेश्वर-'राजा निरबंसिया' तथा उषा प्रियम्वदा-'वापसी' कहानियों से सम्बन्धित व्याख्याएँ। **10 अंक**

इकाई-3. निर्धारित कहानियों पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न। **10 अंक**

इकाई-4. निर्धारित कहानीकारों पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। **10 अंक**

तृतीय प्रश्नपत्र : हिन्दी उपन्यास साहित्य

(पूर्णांक : 70 + 30 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

पाठ्यक्रम पर आधारित अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 x 3= 30 अंक

इकाई-1. प्रेमचन्द-'गोदान' (उपन्यास) से सम्बन्धित व्याख्याएँ। **10 अंक**

इकाई-2. यशपाल-'दिव्या' (उपन्यास) से सम्बन्धित व्याख्याएँ। **10 अंक**

इकाई-3. निर्धारित उपन्यासों पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न। **10 अंक**

इकाई-4. निर्धारित उपन्यासकारों पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। **10 अंक**

चतुर्थ प्रश्नपत्र : हिन्दी नाटक साहित्य

(पूर्णांक : 70 + 30 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

पाठ्यक्रम पर आधारित अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 x 3= 30 अंक

इकाई-1. प्रसाद-'स्कन्दगुप्त' (नाटक) पर आधारित व्याख्याएँ। **10 अंक**

इकाई-2. मोहन राकेश- 'आषाढ़ का एक दिन' (नाटक) पर आधारित व्याख्याएँ। **10 अंक**

इकाई-3. निर्धारित नाटकों पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न। **10 अंक**

इकाई-4. निर्धारित नाटककारों पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। **10 अंक**

पंचम प्रश्नपत्र : हिन्दी एकांकी साहित्य

(पूर्णांक : 70 + 30 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

पाठ्यक्रम पर आधारित अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 x 3= 30 अंक

इकाई-1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र-'भारतदुर्दशा' तथा रामकुमार वर्मा-'औरंगजेब की आखिरी रात'-एकांकियों से सम्बन्धित व्याख्याएँ। **10 अंक**

इकाई-2. जगदीशचन्द्र माथुर-'भोर का तारा' तथा लक्ष्मीनारायण लाल-'सूखी डाली' एकांकियों से सम्बन्धित व्याख्याएँ। **10 अंक**

इकाई-3. निर्धारित एकांकियों पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न। **10 अंक**

इकाई-4. निर्धारित एकांकीकारों पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। **10 अंक**

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र : हिन्दी का संवैधानिक स्वरूप

(पूर्णांक : 70 + 30 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

पाठ्यक्रम पर आधारित अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 x 3= 30 अंक

इकाई-1. राजभाषा हिन्दी : विकास एवं संवैधानिक प्रावधान, 8वीं अनुसूची, अनुच्छेद 120, 210, अनुच्छेद 343 से 351 तक। **10 अंक**

इकाई-2. राजभाषा अधिनियम- (1963, 1967,1976)। **10 अंक**

इकाई-3. राष्ट्रपति के आदेश तथा राजभाषा संकल्प- 1952, 1960 तथा 1968 (संकल्प)। **10 अंक**

इकाई-4. हिन्दी प्रशिक्षण और प्रोत्साहन- महत्त्व एवं प्रमुख प्रचार संस्थाओं का परिचय (हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, चेन्नई, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली)। **10 अंक**

द्वितीय प्रश्नपत्र : कार्यालयी हिन्दी

(पूर्णांक : 70 + 30 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

पाठ्यक्रम पर आधारित अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 x 3= 30 अंक

इकाई-1. पत्र की अवधारणा, स्वरूप और प्रकार (व्यक्तिगत पत्र, कार्यालयी पत्र, व्यावसायिक पत्र)। **10 अंक**

इकाई-2. कार्यालयी पत्र-शासकीय पत्र, अर्धशासकीय पत्र, आवेदन सम्बन्धी पत्र। **10 अंक**

इकाई-3. टिप्पणी लेखन तथा आलेखन-स्वरूप, अर्थ एवं परिभाषा, महत्त्वपूर्ण नियम एवं प्रक्रिया। **10 अंक**

इकाई-4. फाइल पद्धति, अभिलेख तथा पूरक पत्र- अभिप्राय, विशेषताएँ, प्रकार एवं नियम। **10 अंक**

तृतीय प्रश्नपत्र : अनुवाद प्रविधि

(पूर्णांक : 70 + 30 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

पाठ्यक्रम पर आधारित अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। **10 x 3= 30 अंक**

इकाई-1. अनुवाद : अर्थ, स्वरूप एवं महत्त्व- अच्छे अनुवाद के गुण, अनुवाद सम्बन्धी समस्याएँ और समाधान, अनुवाद की आवश्यकता, महत्त्व या उद्देश्य, प्रयोजनमूलक हिन्दी और अनुवाद। **10 अंक**

इकाई-2. अनुवाद के प्रकार-काव्यानुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, नाट्यानुवाद, कथानुवाद, आशु अनुवाद, रूपांतरण। **10 अंक**

इकाई-3. अनुवाद के सिद्धांत- मैथ्यु आर्नाल्ड के सिद्धांत, टाइलर का सिद्धांत, भोलानाथ तिवारी का सिद्धांत। **10 अंक**

इकाई-4. अनुवाद - प्रक्रिया, समस्याएँ तथा दुभाषिया प्रविधि। **10 अंक**

चतुर्थ प्रश्नपत्र : हिन्दी पत्रकारिता

(पूर्णांक : 70 + 30 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

पाठ्यक्रम पर आधारित अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। 10 x 3= 30 अंक

इकाई 1. पत्रकारिता : अर्थ, स्वरूप एवं महत्त्व। **10 अंक**

इकाई 2. पत्रकारिता का क्षेत्र या प्रकार, खोजी, आर्थिक, ग्रामीण विकास, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता-रेडियो, वीडियो, दूरदर्शन, इन्टरनेट। **10 अंक**

इकाई 3. स्वतंत्रतापूर्व हिन्दी पत्रकारिता- हिन्दी की उद्भवकालीन पत्रकारिता (1826-1967), भारतेन्दु युगीन पत्रकारिता (1867-1900), द्विवेदीयुगीन पत्रकारिता (1900-1920), छायावादयुगीन पत्रकारिता (1920-1947) तथा स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी पत्रकारिता। **10 अंक**

इकाई 4. स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता -(1947 से अब तक)। **10 अंक**

पंचम प्रश्नपत्र : हिन्दी संचार माध्यम

(पूर्णांक : 70 + 30 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

पाठ्यक्रम पर आधारित अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। **10 x 3= 30 अंक**

इकाई-1. संचार माध्यमों का स्वरूप एवं क्षेत्र, संचार के तत्त्व और प्रभाव, संचार के प्रकार-अन्तर्वैयक्तिक संचार, समूह संचार, जनसंचार। **10 अंक**

इकाई-2. संचार माध्यम के कार्य, जनसंचार के विविध माध्यम-प्रेस, रेडियो, टेलीविजन, केबल, इन्टरनेट। **10 अंक**

इकाई-3. परंपरागत संचार माध्यम और उनकी विशेषताएँ, आधुनिक संचार माध्यम और उनकी विशेषताएँ। श्रव्य माध्यमों की भाषिक प्रवृत्ति, दृश्य माध्यमों की भाषिक प्रवृत्ति। 10 अंक

इकाई-4. विज्ञापन : अर्थ एवं स्वरूप, विज्ञापन की आवश्यकता एवं उद्देश्य, विज्ञापन के प्रकार, विज्ञापन कला का विकास। **10 अंक**

पंचम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र : हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि

(पूर्णांक : 70 + 30 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

पाठ्यक्रम पर आधारित अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। **10 x 3= 30 अंक**

इकाई-1. हिन्दी भाषा का क्षेत्र-विस्तार। **10 अंक**

इकाई-2. हिन्दी भाषा एवं बोलियाँ। **10 अंक**

इकाई-3. देवनागरी लिपि : इतिहास-विकास तथा विशेषताएँ। **10 अंक**

इकाई-4. देवनागरी लिपि : गुण-दोष तथा मानकीकरण। **10 अंक**

द्वितीय प्रश्नपत्र : भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

(पूर्णांक : 70 + 30 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

पाठ्यक्रम पर आधारित अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। **10 x 3= 30 अंक**

इकाई-1. काव्यांग परिचय (काव्य-लक्षण, हेतु, प्रयोजन, गुण-दोष तथा रस-छंद-अंलकार) **10 अंक**

इकाई-2. भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांत (रस, अलंकार, ध्वनि)। **10 अंक**

इकाई-3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांत (अनुकरण, उदात्त, निर्वैयक्तिकता)। **10 अंक**

इकाई-4. बिम्ब, प्रतीक, आधुनिकता और उत्तर आधुनिकता। **10 अंक**

तृतीय प्रश्नपत्र : हिन्दी आलोचना साहित्य

(पूर्णांक : 70 + 30 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

पाठ्यक्रम पर आधारित अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। **10 x 3= 30 अंक**

इकाई-1. हिन्दी आलोचना : स्वरूप और विकास। **10 अंक**

इकाई-2. प्रमुख हिन्दी आलोचक (रामचन्द्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, नंददुलारे बाजपेयी, रामविलास शर्मा)। **10 अंक**

इकाई-3. प्रमुखवाद एवं प्रवृत्तियाँ-एक (स्वच्छंदतावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद) **10 अंक**

इकाई-4. प्रमुखवाद एवं प्रवृत्तियाँ-दो (अस्तित्ववाद, यथार्थवाद, संरचनावाद) **10 अंक**

चतुर्थ प्रश्नपत्र : हिन्दी निबन्ध साहित्य

(पूर्णांक : 70 + 30 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

पाठ्यक्रम पर आधारित अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। **10 x 3= 30 अंक**

इकाई-1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल-'श्रद्धाभक्ति' तथा आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी-'कुटज' से सम्बन्धित व्याख्याएँ। **10 अंक**

इकाई-2. विद्यानिवास मिश्र-'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' तथा महादेवी वर्मा-'शृंखला की कड़ियाँ' (जीने की कला) से सम्बन्धित व्याख्याएँ। **10 अंक**

इकाई-3. निर्धारित निबन्धों पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न। **10 अंक**

इकाई-4. निर्धारित निबन्धकारों पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। **10 अंक**

पंचम प्रश्नपत्र : हिन्दी का विमर्शमूलक साहित्य

(पूर्णांक : 70 + 30 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

पाठ्यक्रम पर आधारित अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। **10 x 3= 30 अंक**

इकाई-1. विमर्शमूलक साहित्य : अवधारणा, विकास एवं प्रवृत्तियाँ। **10 अंक**

इकाई-2. दलित विमर्श : ओमप्रकाश वाल्मीकि-'जूठन' (आत्मकथा) पर आधारित व्याख्याएँ एवं आलोचनात्मक प्रश्न। **10 अंक**

इकाई-3. स्त्री विमर्श : प्रभा खेतान -'छिन्नमस्ता'(उपन्यास) पर आधारित व्याख्याएँ एवं आलोचनात्मक प्रश्न। **10 अंक**

इकाई-4. आदिवासी विमर्श : निर्मला पुतुल-नगाड़े की तरह बजते 'शब्द'(काव्य संकलन) पर आधारित व्याख्याएँ एवं आलोचनात्मक प्रश्न। **10 अंक**

षष्ठ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र : हिन्दी लोकसाहित्य

(पूर्णांक : 70 + 30 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

पाठ्यक्रम पर आधारित अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। **10 x 3= 30 अंक**

इकाई 1. लोकसाहित्य : स्वरूप, विकास एवं विशेषताएँ। **10 अंक**

इकाई-2. लोकसाहित्य की विभिन्न विधाएँ- लोकगीत, लोकगाथा, लोककथायें, लोकनाट्य एवं प्रकीर्ण साहित्य। **10 अंक**

इकाई-3. लोकगीत तथा लोकगाथा- लोकगीत एवं लोकगाथाओं का स्वरूप, विशेषताएँ, प्रकार एवं प्रमुख लोकगीत एवं लोकगाथाओं का परिचय। **10 अंक**

इकाई-4. लोककथा तथा लोकनाट्य- लोककथा का स्वरूप एवं सिद्धांत, लोककथा एवं कहानी में अंतर, लोककथा की विशेषताएँ, लोकनाट्य एवं नाटक में अन्तर, लोकनाट्य की विशेषताएँ, प्रमुख लोकनाट्यों का परिचय। **10 अंक**

द्वितीय प्रश्नपत्र : हिन्दी का जनपदीय (अवधी) भाषा साहित्य

(पूर्णांक : 70 + 30 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

पाठ्यक्रम पर आधारित अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। **10 x 3= 30 अंक**

इकाई-1. जनपदीय साहित्य का आशय, प्रवृत्तियाँ एवं महत्त्व। **10 अंक**

इकाई-2. अवधी का नामकरण, भाषिक क्षेत्र एवं आधुनिक अवधी भाषा की विशेषताएँ। **10 अंक**

इकाई-3. आधुनिक अवधी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं कवि। **10 अंक**

इकाई-4. आधुनिक अवधी के प्रमुख लेखक एवं कृतियाँ। **10 अंक**

तृतीय प्रश्नपत्र : हिन्दी सृजनात्मक लेखन

(पूर्णांक : 70 + 30 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

पाठ्यक्रम पर आधारित अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। **10 x 3= 30 अंक**

इकाई-1. फ़ीचर लेखन- परिभाषा, लक्षण, स्वरूप, प्रकार, फीचर, लेख और समाचार में अन्तर तथा रचना प्रक्रिया। **10 अंक**

इकाई-2. साक्षात्कार (इंटरव्यू/भेंटवार्ता)- साक्षात्कार का स्वरूप, महत्त्व, प्रक्रिया, साक्षात्कर्ता के गुण। **10 अंक**

इकाई-3. दृश्य सामग्री (छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स) लेखन-महत्त्व, उपयोगिता एवं स्वरूप। **10 अंक**

इकाई-4. बाजार, खेलकूद, फ़िल्म, पुस्तक और कला समीक्षा- समीक्षा का स्वरूप, महत्त्व एवं रचनाप्रक्रिया। **10 अंक**

चतुर्थ प्रश्नपत्र : हिन्दी भाषा का व्याकरण

(पूर्णांक : 70 + 30 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

पाठ्यक्रम पर आधारित अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। **10 x 3= 30 अंक**

इकाई 1. व्याकरण : परिभाषा तथा महत्त्व, ध्वनियों का वर्गीकरण। **10 अंक**

इकाई 2. व्याकरणिक कोटियाँ- संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, क्रिया-विशेषण, अव्यय। **10 अंक**

इकाई 3. वाक्य संरचना तथा वाक्य भेद। **10 अंक**

इकाई 4. शब्द-विचार- तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी, रूढ़, यौगिक, योगरूढ़, पर्यायवाची, समानार्थक, विलोम, वाक्यांश के लिए एक शब्द। **10 अंक**

पंचम प्रश्नपत्र : परियोजना तथा प्रस्तुति **100 अंक**

बी० ए० (हिन्दी) आनर्स

प्रथम सेमेस्टर (पूरक पाठ्यक्रम)

हिन्दी साहित्य का परिचयात्मक स्वरूप

(पूर्णांक : 70 + 30 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

पाठ्यक्रम पर आधारित अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। **10 x 3= 30 अंक**

इकाई-1. हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास- आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल तथा आधुनिक काल का सामान्य परिचय एवं प्रमुख प्रवृत्तियाँ। **10 अंक**

इकाई-2. मध्ययुगीन काव्य-कबीरदास- कबीर ग्रंथावली (संपा० श्यामसुन्दर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी) साखी संख्या- 3,12, 20 (गुरुदेव कौ अंग), 11, 27 (सुमिरण कौ अंग) 18, 22 (बिरह कौ अंग) 2, 6, 8 (साध कौ अंग), पद संख्या-120, 131 सूरदास- सूरसागर सार (संपा० डॉ० धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद) पद संख्या- 1, 2, 13,18, 31 (विनय तथा भक्ति) तुलसीदास- विनयपत्रिका (गीता प्रेस, गोरखपुर) पद संख्या- 79, 85, 96, 99, 105 रहीम-रहीम ग्रंथावली (संपा० विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली) दोहा संख्या- 25, 33, 67, 79, 102, 154, 180, 212, 223, 248 से व्याख्याएँ एवं निर्धारित कवियों से सम्बन्धित आलोचनात्मक प्रश्न। **10 अंक**

इकाई-3. आधुनिक हिन्दी काव्य-मैथिलीशरण गुप्त 'भारत भारती'- भविष्यत् खण्ड (उद्बोधन) हे भाइयो! ..... होते दस गुने, जयशंकर प्रसाद- 'कामायनी'- (श्रद्धा सर्ग) ''कौन तुम ?..... बीच गुलाबी रंग। सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' -'भिक्षुक' (कविता) रामधारी सिंह 'दिनकर'- 'समर शेष है' (कविता) के काव्यांशों/कविताओं से सम्बन्धित व्याख्याएँ एवं आलोचनात्मक प्रश्न। **10 अंक**

इकाई-4. हिन्दी नाटक तथा उपन्यास साहित्य-भारतेन्दु हरिश्चन्द्र- 'अंधेर नगरी' तथा प्रेमचन्द- 'सद्गति', 'नमक का दारोगा', कहानियों तथा निर्धारित लेखकों एवं रचनाओं से सम्बन्धित आलोचनात्मक प्रश्न। **10 अंक**

बी0 ए0 (हिन्दी) आनर्स

द्वितीय सेमेस्टर (पूरक पाठ्यक्रम)

हिन्दी भाषा का व्यावहारिक स्वरूप

(पूर्णांक : 70 + 30 (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंक)

पाठ्यक्रम पर आधारित अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न। **10 x 3= 30 अंक**

इकाई-1. हिन्दी भाषा का क्रमिक विकास एवं बोलियों का संक्षिप्त परिचय। **10 अंक**

इकाई-2. हिन्दी की व्याकरणिक कोटियाँ- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण, रस-छन्द-अलंकार। **10 अंक**

इकाई-3. देवनागरी लिपि का विकास, गुण-दोष, मानकीकरण एवं वर्तनी सुधार। **10 अंक**

इकाई-4. कार्यालयी-हिन्दी-पत्राचार, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण। **10 अंक**

■■■